आर.एन.आई. नं. RAJBIL/2010/52404

सेवा सौभाग्य

परम पू. कैलाश जी 'मानव'

● मूल्य » 5 ● वर्ष-10 ● अंक » 126 ● मुद्रण तारीख » 1 जून-2022 ● कुल पृष्ठ » 32

आस की डोर विश्वास की ओर...

दिव्यांगों के चेहरों की मुस्कान बनें

Narayan Children Academy
A Unit of Narayan Seva Sansthan

आदिवासी, अनाथ एवं असहाय गरीब बच्चों को शिक्षित करने में बनें सहयोगी....

शिक्षा से वंचित आदिवासी क्षेत्र के बच्चों को शिक्षित करने में करें मदद	
एक बालक का 1 माह का शिक्षा सहयोग	11,00/-
एक बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	11,000/-
एक बालक का आजीवन पालनहार सहयोग (6 से 18 वर्ष)	1,00,000/-

UPI narayanseva@sbi

संस्थान को **paytm** एवं **UPI** के माध्यम से दान देने हेतु इस **QR Code** को स्केन करें अथवा अपने पेमेंट एप में **UPI Address** डालकर आसानी से सेवा भेजे।

अधिक जानकारी के लिए कॉल करें
फोन नं. : +91-294-6622222
वाट्सअप : +91-7023509999

सेवा सौभाग्य

दिव्यांगों को अपना आशीर्वाद देनें के लिए एक बार अवश्य पधारें

1 जून, 2022

वर्ष 10 अंक 126 मूल्य ₹ 05

कुल पृष्ठ » 32

संपादक मंडल

मार्ग दर्शक कैलाश चन्द्र अग्रवाल
सम्पादक प्रशान्त अग्रवाल
सहयोग विष्णु शर्मा हितैषी
भगवान प्रसाद गौड़
डिजाइनर विरेन्द्र सिंह राठौड़

संपर्क (कार्यालय)

NARAYAN SEVA SANSTHAN
Our Religion is Humanity

Sewa Parmo Dharm
MAKE GIVING YOUR HABIT

हिरण मगरी, सेक्टर-4
उदयपुर (राज.)-313002
फोन नं. : +91-294-6622222
+91-294-2666666
वाट्सअप : +91-7023509999

Web www.narayanseva.org
E-mail info@narayanseva.org

Seva Soubhagya 1 June, 2022 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2020-2022. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 32 (No. of copies printed 1,05,000) cost- Rs.5/-

इस माह

सबसे बड़ी तपस्या 06

मनोहर के परिवार को मिला सहारा 09

दीपा मलिक ने किया उद्घाटन 10

लाचार ज़िंदगी फिर चल पड़ी 14

दृष्टिबाधित बच्चों को बल्ला-बॉल भेंट 21

झीनी-झीनी रोशनी (37) 24

सम्पादकीय

संस्थान अध्यक्ष
'सेवक' प्रशान्त भैया

खुशियां बांटने में ही आनन्द

आपश्री के दान, सहयोग और आशीष से अप्रैल माह में देश के दर्जन भर से अधिक नगरों-महानगरों में संस्थान ने निःशुल्क दिव्यांग जांच, ऑपरेशन, चयन कृत्रिम अंग माप एवं वितरण शिविरों का आयोजन कर थमी हुई ज़िन्दगियों को फिर सक्रिय कर उनके परिवारों को खुशियों का उपहार प्रदान किया।

प्रकृति भी बड़ी अजब-गज़ब है। हर मौसम में हर पल बस देती ही रहती है। बदले में हमसे कुछ मांगती नहीं, लेती नहीं। निःस्वार्थ भाव और समान रूप से सबकी जरूरत को पूरा करती है। आश्चर्य तो इस बात का है कि रात-दिन, हर घड़ी-पल देते ही रहने के बावजूद उसका कोष कभी रिक्त नहीं होता। यह इस बात का द्योतक है कि सच्चे मन से किसी की जरूरत को पूरा करने अथवा दीन-दुःखी पीड़ित की सेवा में किया गया खर्च किसी न किसी रूप में द्विगुणित हाकर वापस लौट आता है। जो ऐसा भाव रखता है और उसे अमल में लाता है, वह सदैव खुश और आबाद रहता है। दूसरों को खुशी देने में ही अपना आनन्द है। आपश्री भी ऐसे ही संवेदनशील सेवा मनीषी हैं। संस्थान से जुड़कर आपने अनेक भाई-बहिनों के आंसू पोंछे हैं। कितने ही दिव्यांगजन का ऑपरेशन करवाकर उन्हें अपने पांवों पर खड़ा किया है और हादसों में अपने हाथ-पांव खो देने वालों को कृत्रिम अंग का उपहार देकर उनकी थमी हुई जिन्दगी को पुनः सक्रिय कर, उनके घर-परिवारों को खुशियों की सौगात दी है। उन्हें अपनी पूर्णता का अहसास करवाया है। श्रीमन्। आपश्री के दान, सहयोग और आशीष से अप्रैल माह में देश के दर्जन भर से अधिक नगरों-महानगरों में संस्थान ने निःशुल्क दिव्यांग जांच, ऑपरेशन, चयन कृत्रिम अंग माप एवं वितरण शिविरों का आयोजन किया। जिनमें हजारों दिव्यांगजन का पंजीयन हुआ। इस सम्बन्ध में विस्तृत विवरण इसी अंक के अगले पृष्ठों पर आप देख सकेंगे। हादसों में अपने हाथ-पैर गंवा देने वाले बन्धु-बहिनों के लिए संस्थान आपके सहयोग से मोड्यूलर आर्टिफिशयल लिम्बस् कृत्रिम अंग में उपलब्ध तो करवा ही रहा है, साथ ही इस बात की भी कोशिश कर रहा है कि कृत्रिम अंग और अत्याधुनिक हों और जल्द से जल्द मुहैया करवाए जाएं। इसके लिए एक वर्ष पूर्व 20 मार्च को रोटरी अन्तर्राष्ट्रीय के सहयोग से सेन्ट्रल फ्रेबिकेशन यूनिट की स्थापना का कार्य आरम्भ हुआ था, जो इसी माह पूर्ण होकर आपश्री की शुभ भावनाओं के साथ 15 मई को लोकार्पित हुआ। इस फेब्रिकेशन यूनिट से कृत्रिम अंग बनाने के काम में शीघ्रता तो आएगी ही, वे अधिक हल्के गुणवत्ता और सुविधा युक्त भी होंगे। मुझे यह बताते हुए भी हर्ष हो रहा है कि वर्ल्ड ऑफ ह्यूमैनिटी का निर्माण कार्य तीव्र गति से चल रहा है और आगामी वर्ष में आपश्री के सानिध्य में उसका सेवा कार्यों के लिए लोकार्पण सम्भव हो सकेगा। आपका आशीर्वाद और मार्गदर्शन संस्थान को मिलता रहे। इसी आशा और विश्वास के साथ । आपश्री को प्रणाम।

अपनों से अपनी बात

संस्थापक चेयरमैन
कैलाश 'मानव'

संघर्ष से ही सफलता

जीवन में संघर्ष और चुनौतियां तो होंगी ही, उनसे भागना अथवा निराश होना कायरता है। कभी-कभी ईश्वर भी मानव की प्रतिभा व गुणों को निखारने के लिए उसके समक्ष चुनौतियां पेश करते हैं। ठीक उस पेड़ की तरह जो गर्मी, सर्दी, धूप, बरसात, आंधी सब में डटा रहता है और अन्ततोगत्वा फल-फूलों से लदकर प्राणी मात्र की सेवा कर जीवन को धन्य करता है।

एक बार एक किसान भगवान से बहुत नाराज हो गया। कभी बाढ़ आ जाए, कभी सूखा पड़ जाए, कभी धूप बहुत तेज हो जाए तो कभी ओले पड़ जाए। हर बार कुछ ना कुछ कारण से उसकी फसल थोड़ी खराब हो जाती। एक दिन तंग आकर उसने परमात्मा से कहा-देखिए प्रभु, आप परमात्मा हैं लेकिन लगता है आपको खेती-बाड़ी की ज्यादा जानकारी नहीं है, एक प्रार्थना है कि एक साल मुझे मौका दीजिए, जैसा में चाहूं वैसा मौसम हो, फिर आप देखना मैं कैसे अन्न के भंडार भर दूंगा। परमात्मा मुस्कुराए और कहा-ठीक है, जैसा तुम चाहोगे वैसा ही मौसम सिर्फ तुम्हारी खेती के लिए होगा, मैं दखल नहीं करूंगा। अब किसान ने गेहूं की फसल बोई, जब धूप चाही, तब धूप मिली, जब पानी चाहा तब पानी मिला। सर्दी, तेज धूप, ओले, बाढ़, आंधी तो उसने आने ही नहीं दी, समय के साथ फसल बढ़ी और किसान की खुशी भी, क्योंकि ऐसी फसल तो आज तक नहीं हुई थी। किसान ने मन ही मन सोचा अब पता चलेगा परमात्मा को कि फसल पैदा कैसे करते हैं। बेकार ही इतने बरस किसानों को परेशान करते रहे। फसल काटने का समय भी आया, किसान बड़े गर्व से फसल काटने गया, लेकिन जैसे ही फसल काटने लगा, एकदम से माथे पर हाथ रख कर बैठ गया। गेहूं की एक भी बाली के अंदर गेहूं का दाना नहीं था, सारी बालियां खाली थीं, दुःखी होकर उसने परमात्मा से कहा-प्रभु ये क्या हुआ? तब परमात्मा बोले-ये तो होना ही था, तुमने पौधे को संघर्ष का जरा सा भी मौका नहीं दिया। ना तेज धूप में उनको तपने दिया, ना आंधी, ओलो, सर्दी से जूझने दिया, उनको किसी प्रकार की चुनौती का अहसास जरा भी नहीं होने दिया, इसीलिए सब पौधे खोखले रह गए। जब आंधी आती है, तेज बारिश होती है, ओले गिरते है तब पौधे अपने बल से ही खड़े रहते हैं, ये चुनौतियां ही उसे शक्ति देती हैं, ऊर्जा देती हैं, उसकी जीवटता को उभारती हैं। सोने को भी कुंदन बनने के लिए आग में तपने, हथौड़ी से पिटने, गलने जैसी चुनौतियों से गुजरना पड़ता है तभी उसकी स्वर्णिम आभा उभरती है, उसे अनमोल बनाती है।

इसी तरह जिन्दगी में भी अगर संघर्ष ना हो तो आदमी खोखला ही रहा जाता है, उसके अंदर कोई गुण नहीं आ पाता। ये चुनौतियां ही हैं जो आदमी को सशक्त और प्रखर बनाती हैं, अगर प्रतिभाशाली बनना है तो चुनौतियां तो स्वीकार करनी ही पड़ेगी।

प्रेरक प्रसंग

सबसे बड़ी तपस्या

नर सेवा ही नारायण सेवा है। मानव सेवा से बड़ी न कोई तपस्या है और न ही धर्म। जरूरतमंदों व पीड़ितों की सेवा से ही ईश्वर प्रसन्न होते हैं। यदि मार्ग में ऐसा कोई भी दुःखी-पीड़ित जन मिले तो ठहर कर उसकी यथा योग्य सेवा अवश्य करें।

सत्यनगर का राजा सत्यप्रताप सिंह अत्यंत न्यायप्रिय शासक था। एक बार उसे पता चला कि सौम्यदेव नामक एक ऋषि अनेक सालों से लोहे का एक डंडा जमीन में गाड़कर तपस्या कर रहे हैं और उनके तप के प्रभाव से डंडे में कुछ अंकुर फूट कर फूल-पत्ते निकल रहे हैं और जब वह अपनी

तपस्या में पूर्ण सफलता प्राप्त कर लेंगे तो उनका डंडा फूल-पत्तों से भर जाएगा। सत्यप्रताप ने सोचा कि यदि उनके तप में इतना बल है कि लोहे के डंडे में भी अंकुर फूट कर फूल-पत्ते निकल सकते हैं तो फिर मैं भी क्यों न तप करके अपना जीवन सार्थक बनाऊं। यह सोच कर वह ऋषि के समीप लोहे का डंडा गाड़कर तपस्या करने लगा। संयोगवश उसी रात जोर का तूफान आया। मूसलाधार बारिश होने लगी। राजा और ऋषि दोनों ही मौसम की परवाह न कर तपस्या में मगन रहे। कुछ देर बाद एक व्यक्ति बुरी तरह भीगा हुआ ठंड से कांपता आया। उसने ऋषि से ठहरने की जगह के बारे में पूछा पर ऋषि ने आंख खोलकर भी नहीं देखा। निराश होकर वह राजा सत्यप्रताप के पास पहुंचा और गिर पड़ा। राजा ने उसकी इतनी बुरी हालत देखकर उसे उठाया। नजदीक ही एक कुटिया नज़र आई। उसने उस व्यक्ति को कुटिया में लिटाया और उसके समीप आग जलाकर गर्माहट पैदा की। गर्माहट मिलने से व्यक्ति होश में आ गया। इसके बाद राजा ने उसे कुछ जड़ी-बूटी पीसकर पिलाई। कुछ ही देर बाद वह व्यक्ति बिल्कुल ठीक हो गया। सुबह होने पर राजा जब उस व्यक्ति के साथ कुटिया से बाहर आया तो यह देखकर हैरान रह गया कि जो लोहे का डंडा उसने गाड़ा था वह ताजे फूल-पत्तों से भरकर झुक गया। इसके बाद राजा ने ऋषि के डंडे की ओर देखा। ऋषि के लौहे दण्ड में थोड़े बहुत निकले फूल-पत्ते भी मुरझा गए थे। राजा समझ गया कि मानव सेवा से बड़ी तपस्या कोई और नहीं। वह अपने राज्य में वापस लौट गया और प्रजा की समुचित देखभाल करने लगा।

सबक

जनक को आत्मज्ञान

शरीर ही नहीं, संसार के सब पदार्थ नश्वर हैं। शास्त्रानुसार न कोई अधिकारी ही सिद्ध होता है और न कोई अधिकार योग्य वस्तु ही। अतएव व्यक्ति को अहंकार वश कुछ भी अपना मानने से बचना चाहिए। सभी कुछ उस परमपिता परमात्मा का है।

महाराजा जनक के राज्य में एक तपस्वी रहता था। एक बार किसी बात को लेकर जनक उससे नाराज हो गए। उन्होंने उसे अपने राज्य से बाहर चले जाने की आज्ञा दी। इस आज्ञा को सुनकर तपस्वी ने जनक से पूछा, महाराज, मुझे बता दीजिए कि आपका राज्य कहां तक है क्योंकि तब मुझे आपके

राज्य से निकल जाने का ठीक-ठीक ज्ञान हो सकेगा। महाराज जनक स्वभावतः विरक्त तथा ब्रह्मज्ञानी थे। तपस्वी के इस प्रश्न को सुनकर वह सोच में पड़ गए। पहले तो सम्पूर्ण पृथ्वी पर ही उन्हें अपना राज्य तथा अधिकार दिखा। फिर मिथिला नगरी पर वह अधिकार दिखने लगा। आत्मज्ञान के झोंके में पुनः उनका अधिकार घटकर प्रजा पर फिर अपने शरीर में आ गया और अंत में कहीं भी उन्हें अपने अधिकार का भान नहीं हुआ। उन्होंने तपस्वी को अपनी स्थिति समझाई और कहा, मेरा किसी वस्तु पर भी अधिकार नहीं है। इस बात पर तपस्वी को आश्चर्य हुआ। उसने पूछा, महाराज आप इतने बड़े राज्य को अपने अधिकार में रखते हुए किस तरह सब वस्तुओं से तटस्थ हो गए हैं और क्या समझकर पहले पृथ्वी पर अधिकार की बात सोच रहे थे? जनक ने कहा, संसार के सब पदार्थ नश्वर हैं। शास्त्रानुसार न कोई अधिकार ही सिद्ध होता है और न कोई अधिकार योग्य वस्तु ही।

अतएव मैं किसी वस्तु को अपना कैसे समझूं? मैं अपने संतोष के लिए कुछ भी न कर देवता, पितर, भूत और अतिथि-सेवा के लिए करता हूं। अतएव पृथ्वी, अग्नि, जल, वायु, आकाश और अपने मन पर भी मेरा अधिकार नहीं है। जनक के इन वचनों के साथ ही तपस्वी ने अपना चोला बदल दिया। वह बोला, महाराज, मैं धर्म हूं। आपकी परीक्षा के लिए तपस्वी वेश में आपके राज्य में रहता आया हूं। अब भलीभांति समझ गया कि आप सत्वगुणरूप नेमियुक्त ब्रह्माप्रतिरूप चक्र के संचालक हैं।

कवर स्टोरी

आस की डोर विश्वास की ओर

नारायण सेवा संस्थान ने मेरी आस की डोर विश्वास की ओर बढ़ाई ओर मेरी बेटी को नई जिंदगी दी। चिकित्सकों और साधकों ने बहुत ध्यान दिया। परिणाम स्वरूप बेटी को नया जीवन मिला। मैं संस्थान का दिल से बहुत बहुत धन्यवाद करती हूँ।

मैं कविता यादव उम्र (23) छत्तीसगढ मुंगेली की रहने वाली हूँ। मेरे पति दुर्गेश यादव दूसरों के खेत में मजदूरी करते हैं। मेरी लड़की गोमिया (3) जन्म से ही एक पैर में टेढ़ेपन से ग्रसित थी। गरीबी के कारण आर्थिक हालात बहुत खराब हैं। लड़की के पैर की परेशानी से सभी बहुत परेशान और निराश थे। उसका बिलासपुर, रायपुर, मुंगेली, कुँवरधर आदि कितनी ही जगहों पर इलाज करवाया। 1 से 2 लाख रुपयों का खर्चा भी हो गया पर कुछ फायदा नहीं हुआ। फिर एक दिन मेरी दीदी की भांजी ने नारायण सेवा संस्थान के बारे में बताया और आस्था चैनल के द्वारा पूरी जानकारी मिली। तब हम बच्ची को लेकर उदयपुर आये। संस्थान चिकित्सकों ने जाँच की फिर 2 मार्च 2022 को पहला ऑपरेशन कर प्लास्टर चढ़ाया गया। दूसरा ऑपरेशन 14 मार्च को हुआ और पैर में रिंग लगाई गई। इसके बाद घर लौट गए। एक माह बाद फिर आये और 19 अप्रैल 2022 को तीसरा ऑपरेशन हुआ। अब बच्ची के पांव की स्थिति में सुधार भी दिख रहा है। हड्डी भी जुड़ रही है। संस्थान का दिल से आभार।

मनोहर के परिवार को मिला सहारा

मैं मनोहर लाल मीणा 38 साल अपने 4 बच्चों व पत्नी के साथ उदयपुर की सरु पंचायत में रहता हूँ। तीन साल पहले पास के स्कूल में बिजली ठीक करने गया था। अचानक करंट लगने से कमर और रीढ़ की हड्डी क्षतिग्रस्त हो गई। अब भी चल-फिर नहीं सकता। कमर के नीचे से पूरी तरह विकलांग हूँ, इलाज हेतु 2 लाख में खेत भी बेच दिया, फिर भी ठीक नहीं हुआ।

तीन साल से बिस्तर पर पड़ा हूँ। घर में कमाने वाला कोई नहीं है, इसलिए बच्चों ने पढाई छोड़ दी। एक बच्चा काम पर जाता है, पत्नी-बच्चा मजदूरी करके सबका गुजारा कर रहे हैं। कई बार आस -पड़ोसी खाना दे जाते हैं। मेरी स्थिति की जानकारी नारायण सेवा संस्थान को सरपंच और पड़ोसियों ने दी। संस्थान ने हमें एक माह की राशन सामग्री (जिसमे आटा, दाल, नमक-मसाले,तेल, शक्कर, चायपत्ती,) आदि की मदद की। हमें बहुत राहत मिली। इलाज का आश्वासन भी दिया कि मदद करेंगे। राशन हर माह मिल रहा है।

नवाचार

सेंट्रल फेब्रिकेशन यूनिट शुरू

पैरा ओलम्पियन - अर्जुन अवार्डी दीपा मलिक ने किया उद्घाटन

पैरालम्पिक कमेटी ऑफ इण्डिया की अध्यक्ष एवं अर्जुन अवार्डी पैरा ऑलम्पियन दीपा मलिक ने दिव्यांगजन से कहा कि वे दिल से डर और निराशा को दूर करें और अत्याधुनिक सहायक उपकरणों की मदद लेकर जीवन को संवारने की पहल करें। वे 15 मई को नारायण सेवा संस्थान के लियों का गुड़ा परिसर में अन्तर्राष्ट्रीय रोटरी के सहयोग से दो करोड़ की लागत से स्थापित देश की पहली अत्याधुनिक कृत्रिम अंग निर्माण इकाई का उद्घाटन कर रही थी। उन्होंने अपने जीवन संघर्ष से रूबरू कराते हुए कहा कि विकलांगता के दंश के बावजूद उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और सार्थक जीवन के लिए सकारात्मक सोच और कड़े परिश्रम के साथ आगे बढ़ी। नारायण सेवा संस्थान द्वारा दिव्यांगजन के जीवन को बेहतर बनाने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इस ईकाई में बनने वाले कृत्रिम अंग दिव्यांगजन को सामान्य रूप से अपनी दिनचर्या के निर्वहन में सहायक होंगे।

संस्थान संस्थापक पूज्य गुरूदेव श्री कैलाश जी 'मानव' ने मुख्य अतिथि दीपा मलिक, विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक श्री ज्ञानदेव जी आहूजा व रोटरी क्लब, उदयपुर मेवाड़ के पदाधिकारियों का स्वागत किया। संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशान्त भैया ने कहा कि बढ़ती सड़क दुर्घटनाएं चिंता का विषय हैं। इसमें हाथ-पैर खोने वाले ही नहीं, उनके परिवार भी अत्यंत कष्टदायी ज़िन्दगी जीने को मजबूर हो जाते हैं। आंकड़ों की बात करें तो देश की कुल आबादी का लगभग 2 प्रतिशत हिस्सा दिव्यांगता का शिकार है, इसमें ज्यादा संख्या कटे हाथ-पैर वालों की है। ऑटोबोक जर्मनी से आयातित मशीनों से इस ईकाई में बनने वाले कृत्रिम अंग दिव्यांगजन को निःशुल्क उपलब्ध करवायें जायेंगे जो उनके जीवन को आसान बनायेंगे। रोटरी क्लब ऑफ उदयपुर-मेवाड़ के संरक्षक हंसराज चौधरी ने कहा कि नारायण सेवा संस्थान द्वारा दिव्यांगजन के कष्टदायी जीवन को बेहतर बनाने के पिछले 37 वर्षो से किये जा रहे कार्यों से इम्यूरी इयूड हिल्स यूएसए काफी प्रभावित हुआ और उसने इस ईकाई में सहयोग के लिए रोटरी क्लब, उदयपुर की अनुशंसा को प्राथमिकता के आधार पर स्वीकार किया। इससे संस्थान को देश ही नहीं विदेशों में भी कृत्रिम अंग लगाने के कार्यों में गति और आसानी होगी। संस्थान के प्रोस्थेटिक एवं ऑर्थोटिक यूनिट हेड मानस रंजन साहू ने नव स्थापित सेन्ट्रल फेब्रिकेशन यूनिट की प्रणाली और

उपयोगिता की जानकारी दी। उद्घाटन समारोह में रोटरी क्लब, उदयपुर के अध्यक्ष आशीष हरकावत, पूर्व प्रांतपाल श्री निर्मल सिंघवी, पूर्व अध्यक्ष श्री सुरेश जैन, संस्थान सहसंस्थापिका श्रीमती कमला देवी जी अग्रवाल, निदेशक श्रीमती वंदना अग्रवाल तथा परियोजना प्रभारी श्री रविश कावड़िया भी मौजूद थे। संचालन श्री महिम जैन ने किया।

सशक्तिकरण

हादसों से लाचार ज़िंदगी फिर चल पड़ी

विभिन्न घटनाओं-दुर्घटनाओं में हाथ-पैर खो देने वाले भाई-बहिनो की ज़िंदगी अरसे से निराश और थमी हुई सी थी। जो संस्थान द्वारा देश के कई शहरों में अप्रैल में आयोजित शिविरों में कृत्रिम अंग लगने के बाद फिर सक्रिय होकर चल पड़ी। ऐसे अनेक दिव्यांगजन पुनः रोजगार पाकर परिवार में खुशियां लौटा लाए। इन शिविरों में बड़ी संख्या में कृत्रिम अंग वितरित हुए तो अनेकों के कृत्रिम अंग व कैलिपर बनाने के माप लिए गए।

॥ वाराणसी ›› भारत विकास परिषद-वरूणा सेवा संस्थान के सहयोग से समर्पण-अशोक विहार कॉलोनी, पहाड़िया वाराणसी (उ.प्र.) में 2-3 अप्रैल को संस्थान के तत्वावधान में कृत्रिम अंग वितरण शिविर में 90 दिव्यांग भाई-बहिनों को कृत्रिम अंग व 15 को कैलिपर का वितरण हुआ। शिविर में कुल 105 दिव्यांग लाभान्वित हुए। मुख्य अतिथि वरूण सेवा समिति के अध्यक्ष डॉ. इन्दु सिंह थे। अध्यक्षता संस्थापक चेयरमैन श्री रमेश लालवानी ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री विवेक सूद, मनोज श्रीवास्तव, पंकज सिंह व सी.ए. आलोक शिवाजी थे। कृत्रिम अंग पहनाने का कार्य संस्थान की पीएण्डओ अंजली व टेक्नीशियन नरेश वैष्णव व अतिथियों का स्वागत शिविर प्रभारी अखिलेश अग्निहोत्री ने किया।

॥ अमृतसर ›› सेंट सोल्जर कॉन्वेंट स्कूल जडियाला (पंजाब) में 3 अप्रैल को डॉ. मंगल सिंह जी व श्री प्रमोद जी के सौजन्य से दिव्यांग जांच, चयन एवं कृत्रिम अंग माप शिविर आयोजित हुआ। जिसमें 14 दिव्यांगों के जरूरत मुताबिक कृत्रिम अंग व कैलिपर लगाए गए। निःशुल्क ऑपरेशन के लिए 14 का चयन किया गया। शिविर प्रभारी मुकेश शर्मा ने मुख्य अतिथि अमृतसर विधायक डॉ. अजय गुप्ता व अतिथियों का स्वागत किया। अध्यक्षता स्पोर्ट्स क्लब के चेयरमैन श्री प्रमोद भाटिया ने की। विशिष्ट

अतिथि डॉ. मंगल सिंह व श्रीमती वीना सिंह थे। दिव्यांगों की जांच डॉ. सिद्धार्थ लाम्बा ने की। माप लेने का कार्य पीएण्डओ रामनाथ ठाकुर व टेक्नीशियन भगवती ने किया।

॥ करनाल ›› मानव सेवा संघ करनाल (हरियाणा) में 3 अप्रैल को परमपूज्य प्रेममूर्ति महाराज के पावन सानिध्य एवं मुख्य आतिथ्य में दिव्यांग जांच, चयन एवं कृत्रिम अंग माप शिविर सम्पन्न हुआ। जिसमें पीएण्डओ डॉ. गौरव तिवारी व टेक्नीशियन श्री नाथूसिंह ने 41 दिव्यांगों के लिए कृत्रिम अंग व 31 के कैलिपर बनाने का माप लिया। डॉ. राकेश ने जांच कर दिव्यांगता सुधारात्मक सर्जरी के लिए 23 का चयन किया। शिविर प्रभारी लाल सिंह भाटी व मुकेश त्रिपाठी ने अतिथियों का स्वागत सम्मान एवं संचालन हिसार आश्रम प्रभारी रामसिंह ने किया।

शिविर की अध्यक्षता एडवोकेट श्री नरेन्द्र सुखन ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री संजय बत्रा, आर.के. सक्सेना, सतीश शर्मा व कैथल शाखा के संयोजक डॉ. विवेक गर्ग थे।

॥ नांदेड़ ›› लोकमान्य मंगल कार्यालय अण्णा भाऊ साठे चौक नांदेड़ (महाराष्ट्र) में कृपा सिंधु दिव्यांग सेवा संघटना के सौजन्य से 3-4 अप्रैल को संस्थान के तत्वावधान में आयोजित शिविर में 222 दिव्यांगजन ने रजिस्ट्रेशन करवाया, जिनमें कृत्रिम अंग लग सकने योग्य 92 व कैलिपर के लिए 51 जन का माप पीएण्डओ रिहांश मेहता व टेक्नीशियन किशन सुथार ने लिया। डॉ. वरूण श्रीमाल ने 40 दिव्यांगजन का निःशुल्क सर्जरी के लिए चयन किया। अध्यक्षता शिविर सौजन्यकर्त्ता श्री सुरेश जी मुकाबार ने की, जबकि मुख्य अतिथि बालयोगी श्री वैंकेट स्वामी जी महाराज थे।

विशिष्ट अतिथि के रूप में मंच पर सर्वश्री लक्ष्मीकांत जी, लक्ष्मीनारायण जी, प्रदीप जी बुकरेबार, इगडरे जी पाटील, राजेश्वर जी मेडेवाल, सचिव जी पालरेवार व संयोजक विनोद जी राठौड़ बिराजमान थे। संचालन हरिप्रसाद लद्दढा ने किया।

॥ बीकानेर ›› श्रीरामलाल-सूरजदेवी रांका चेरीटेबल ट्रस्ट, बीकानेर (राजस्थान) के सहयोग से 10 अप्रैल को हंसा गेस्ट हाऊस में सम्पन्न शिविर में 276 दिव्यांगजन का पंजीयन हुआ। जिनमें से हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. सिद्धार्थ लाम्बा ने जांच कर 19 का चयन निःशुल्क ऑपरेशन के लिए किया, जबकि पीएण्डओ डॉ. गौरव तिवारी व टेक्नीशियन भगवती लाल ने 35 दिव्यांगजन का कृत्रिम अंग व 17 का कैलिपर बनाने के लिए माप लिया। शिविर के मुख्य अतिथि समाज सेवी श्री हंसराज डागा व विशिष्ट अतिथि सर्वश्री सुभाष जी गोयल, ट्रस्टी हनुमल जी रांका, शाखा प्रेरक मुकेश जी जोशी व श्रीमती मधु शर्मा थे। अध्यक्षता पूर्व चेयरमैन श्री महावीर जी रांका ने की। शिविर प्रभारी मुकेश शर्मा ने अतिथियों का स्वागत-सम्मान किया।

॥ हीरा नगर ›› जय बाबा नीलकंठ सेवा मंडल हीरा नगर (जम्मू) में श्री अशोक जी ताड़िया के सहयोग से 10 अप्रैल को सम्पन्न शिविर में 85 दिव्यांगजन का रजिस्ट्रेशन हुआ। जिनमें से पीएण्डओ डॉ. तपस पी.बेहरा व टेक्नीशियन नरेश वैष्णव ने 15 दिव्यांगजन के कृत्रिम अंग व 19 के कैलिपर बनाने का माप लिया। निःशुल्क ऑपरेशन के लिए 5 चयनित किए गए। शिविर प्रभारी अखिलेश अग्निहोत्री ने संस्थान के निःशुल्क सेवा प्रकल्पों की जानकारी दी। मुख्य अतिथि हीरा नगर के डीसीसी श्री अभिनन्दन शर्मा थे। अध्यक्षता नगर निगम के महापौर श्री हरजेन्द्र सिंह ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री राकेश जी शर्मा, रूपलाल जी, रामदयाल जी शर्मा व श्रीमती भारती शर्मा थे।

॥ सिमलीगुड़ा ›› लॉयन्स क्लब, सिमलीगुड़ा (ओडिशा) के सहयोग से 12 अप्रैल को कल्याण मण्डपम् में आयोजित शिविर में 59 दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग व 21 को कैलिपर वितरित किए गए। पीएण्डओ डॉ रामनाथ ठाकुर व टेक्नीशियन नाथूसिंह ने माप के अनुसार कृत्रिम अंग व कैलिपर पहनाने का कार्य किया। शिविर प्रभारी लाल सिंह भाटी ने बताया कि शिविर में कुल 80 दिव्यांगजन का रजिस्ट्रेशन हुआ। मुख्य अतिथि सिमलीगुड़ा नगरपालिका के अध्यक्ष श्री राजेन्द्र कुमार पात्रा थे। विशिष्ट अतिथि श्री

मनोज पात्रा, आनन्द सेनापति व श्रीमती सुमन्या ने की। अध्यक्षता लॉयन्स क्लब के अध्यक्ष श्री आनन्द पाटवानिया ने की। संचालन में सह प्रभारी मुकेश त्रिपाठी ने सहयोग किया।

॥ मालेरकोटला ›› महावीर इन्टरनेशनल एवं मानव निष्काम सेवा समिति एवं गुरू सेवक परिवार मालेरकोटला (पंजाब) के सहयोग से 17 अप्रैल को श्री हनुमान मन्दिर (तालाब बाजार) परिसर में सम्पन्न शिविर में कुल पंजीकृत 256 दिव्यांगजन की पीएण्डओ डॉ. गौरव, श्रीमती चित्रा व टेक्नीशियन नरेश वैष्णव ने जांच कर 82 के कृत्रिम अंग व 15 के कैलिपर बनाने के लिए माप लिए जबकि डॉ. सिद्धार्थ लाम्बा ने निःशुल्क ऑपरेशन के लिए 17 का चयन किया। मुख्य अतिथि प्रधान श्री लोकेश जी जैन थे।

अध्यक्षता दिनेश इण्डस्ट्रीज के श्री नरेश सिंघला ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में मंचासीन थे-सर्वश्री रमेश जैन लाडिया, राजेन्द्र सिंह, प्रदीप जैन व मोहन श्याम। संचालन अखिलेश अग्निहोत्री व आभार ज्ञापन सुनील श्रीवास्तव ने किया।

॥ सूरत ›› रोटरी क्लब ऑफ सूरत (गुजरात) ईस्ट के सहयोग एवं कला मन्दिर ज्वेलर्स लि. के सौजन्य से दो दिवसीय निःशुल्क कृत्रिम अंग व कैलिपर वितरण शिविर 16-17 अप्रैल को श्री सौराष्ट्र पाटीदार समाजबाड़ी, वराछा में सम्पन्न हुआ। जिसमें हादसों में अपने हाथ-पैर गंवाने वाले बन्धु-बहिनों को 121 कृत्रिम अंग व पांवों में विकृतियों के कारण चलने में दिक्कत महसूस करने वाले 41 लोगों को कैलिपर वितरण किए गए। इस शिविर में 170 दिव्यांगजन का रजिस्ट्रेशन हुआ। कृत्रिम अंग व कैलिपर को पहनाने का काम पीएण्डओ डॉ. नेहा अग्निहोत्री व टेक्नीशियन भंवर सिंह शेखावत ने किया। मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक श्री कांति भाई बलर थे। अध्यक्षता कला मन्दिर ज्वेलर्स लि. के श्री शरद भाई शाह ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में सर्वश्री समीर भाई बोघरा, चुन्नी भाई गजेरा, रो. संतोष प्रधान, दामजी भाई काकड़िया, वी.एम. खूंट, हिम्मत भाई धोलकिया, बाबू भाई नारोला,

रमेश भाई बघासिया, महेश भाई खैनी, डॉ. निकुंज विठलानी, जयंती भाई सांवलिया, कीर्ति भाई खैली, मनहर भाई बोरा व चिंतन भाई पटेल मौजूद थे। शिविर प्रभारी मुकेश शर्मा ने अतिथियों का स्वागत-सम्मान किया। अनिल पालीवाल, कपिल व्यास, हरीश रावत, देवीलाल मीणा ने व्यवस्था में सहयोग किया।

॥ कोलायत ›› पंचायत समिति, कोलायत (बीकानेर) परिसर में 17 अप्रैल को पंचायत समिति प्रधान श्रीमती पुष्पा सेठिया के सहयोग से सम्पन्न शिविर में 24 दिव्यांगजन के कृत्रिम अंग व 32 के कैलिपर बनाने के लिए टेक्नीशियन श्री नाथू सिंह शेखावत ने माप लिया। जबकि अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. नवीन ने दिव्यांगजन की जांच कर उनमें से 55 का दिव्यांगता सुधारात्मक सर्जरी के लिए चयन किया।

शिविर में कुल 253 दिव्यांगजन पंजीकृत किए गए। मुख्य अतिथि राज्य के ऊर्जा मंत्री श्री भंवर सिंह भाटी थे। अध्यक्षता उपखण्ड अधिकारी प्रदीप कुमार चाहर ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री भंवर लाल सेठिया, पुष्पा सेठिया, हरिसिंह शेखावत व दिनेश सिंह भाटी थे। प्रभारी लाल सिंह भाटी ने अतिथियों का स्वागत किया। व्यवस्था में डॉ. रविन्द्र सिंह, बहादुर सिंह व मुकेश त्रिपाठी ने सहयोग किया।

॥ धामणगांव ›› अमरावती (महाराष्ट्र) जिले के धामणगांव में 18-19 अप्रैल को दिव्यांग जांच, चयन एवं कृत्रिम अंग माप शिविर सम्पन्न हुआ। टीएमसी सभागार में आयोजित शिविर में कुल 211 दिव्यांगजन का रजिस्ट्रेशन हुआ। पीएण्डओ नेहांश मेहता व टेक्नीशियन किशन सुथार ने 86 दिव्यांगजन के कृत्रिम अंग व 29 के कैलिपर बनाने का माप लिया। आदर्श फाउण्डेशन, महाराष्ट्र रेल्वे राज्य दिव्यांग बेरोजगार संघटना तथा हात फाउंडेशन, धामणगांव के सहयोग से आयोजित शिविर के मुख्य अतिथि स्वाभिमानी क्षेत्रीय संघटना के अध्यक्ष श्री चेतन परडखे थे। अध्यक्षता श्री विजय अग्रवाल ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री प्रशान्त झाड़े, दिनेश वाघमारे, सुजित भुजभुजे व राजेश कुमार थे। फिजियो अस्थिरोग विशेषज्ञ सुश्री माहेश्वरी ने निःशुल्क ऑपरेशन के लिए 6 दिव्यांगजन का चयन किया। अतिथियों का स्वागत व शिविर का संचालन मुकेश सेन ने किया। सहयोग सत्य नारायण मीणा व गोपाल गोस्वामी ने किया।

॥ झांसी >> महाराजा अग्रसेन इन्टर कॉलेज झांसी (उ.प्र.) में 24 अप्रैल को श्री संजीव जी बुधोलिया एवं श्रीराम कथा आयोजन समिति के सहयोग से कृत्रिम अंग वितरण शिविर सम्पन्न हुआ, जिसमें हादसों में हाथ-पैर खोने वाले 32 दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग व 26 को उनके माप के मुताबिक कैलिपर प्रदान किए गए। मुख्य अतिथि क्षेत्रीय सांसद श्री अनुराग शर्मा थे। अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष श्री पवन गौतम ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री संजीव जी बुधोलिया अध्यक्ष, श्रीराम कृपा सेवा समिति, रामतीर्थ सिंहल, महापौर विद्या प्रकाश दुबे व लक्ष्मीकान्त जी प्रधानाचार्य थे। शिविर प्रभारी मुकेश शर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया।

॥ पुसद >> महाराष्ट्र के यवतमाल जिला के पुसद नगर में 24 अप्रैल को आयोजित दिव्यांग जांच,चयन

एवं कृत्रिम अंग माप शिविर में 162 दिव्यांगजन का पंजीयन हुआ। जिनमें से डॉ. वरूण श्रीमाल ने जांच कर निःशुल्क ऑपरेशन के लिए 37 का चयन किया, जबकि पीएण्डओ रिहांश मेहता व टेक्नीशियन किशन सुथार ने 31 दिव्यांगजन के लिए कृत्रिम अंग व 10 के केलिपर बनाने का माप लिया। मुख्य अतिथि पुलिस उपअधीक्षक अनिल जी आड़े थे। अध्यक्षता नगर परिषद के मुख्य अधिकारी डॉ. किरण सुकतावाउ ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री श्रीराम महाराज, सुरेन्द्र सिंह राठौड़, राधेश्याम जांगिड़, दयाराम चव्हाण, हरिप्रसाद विश्वकर्मा व विनोद जी राठौड़ थे। संचालन हरिप्रसाद लद्ढा ने किया।

॥ काचीगुड़ा >> श्रीश्याम बाबा सेवा समिति के सौजन्य से काचीगुड़ा रेल्वे स्टेशन (हैदराबाद) के समीप श्री श्याम मन्दिर परिसर में 24 अप्रैल को 26 दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग व 14 को केलिपर प्रदान किए गए। शिविर प्रभारी लाल सिंह भाटी के अनुसार मुख्य अतिथि योग गुरू श्री हर्षनंद महाराज थे। अध्यक्षता योग गुरू श्री कमलेश महाराज ने की। विशिष्ट अतिथि सर्वश्री रामदेव अग्रवाल, रिदीश जगीदार, श्रीमती सुमित्रा देवी व सत्य साक्षी संघ की रम्या जी थी। मुकेश त्रिपाठी व हैदराबाद आश्रम प्रभारी महेन्द्र सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया।

॥ ऊना ›› राधाकृष्ण मन्दिर ऊना (हिमाचल प्रदेश) में हिमातों कर्ष परिषद के सहयोग से 24 अप्रैल को आयोजित शिविर में 142 दिव्यांगजन का पंजीयन हुआ। जिनमें से डॉ. सिद्धार्थ लाम्बा ने जांच करके 18 का निःशुल्क ऑपरेशन के लिए चयन किया, जबकि पीएण्डओ सुरेन्द्र सोनवाल व टेक्नीशियन नरेश वैष्णव ने 51 दिव्यांगजन के लिए कृत्रिम अंग व 20 के लिए कैलिपर बनाने का माप लिया। मुख्य अतिथि श्रीराधाकृष्ण मन्दिर ट्रस्ट के चेयरमैन राष्ट्रीय संत बाबा बालजी थे। अध्यक्षता पूर्व मुख्यमंत्री श्री प्रेम कुमार धूमल ने की। विशिष्ट अतिथि कृषिमंत्री वीरेन्द्र कंवर, वित्त आयोग के प्रदेश अध्यक्ष श्री सतपाल सती, जितेन्द्र कंवर व संस्था की हमीरपुर शाखा के संयोजक रसील सिंह मनकोटिया थे। शिविर प्रभारी अखिलेश अग्निहोत्री ने संचालन किया।

॥ विशाखापट्टनम ›› गुरूदेवा चेरीटेबल ट्रस्ट के सौजन्य से दो दिवसीय कृत्रिम अंग वितरण 27-28 अप्रैल को विशाखापट्टनम (आंध्र प्रदेश) के मंगलमपलम कोठावालसा मण्डल में सम्पन्न हुआ। जिसमें 84 दिव्यांगजन को कृत्रिम अंग व 17 को केलिपर का वितरण किया गया। मुख्य अतिथि गुरूदेवा ट्रस्ट के चेयरमैन श्री जगदीश बेबी थे। अध्यक्षता श्री रमैयाजी ने की। विशिष्ट अतिथि श्री सत्या जी थे। संचालन लाल सिंह भाटी ने किया।

उपहार

दृष्टिबाधित बच्चों को बल्ला-बॉल भेंट

संस्थान की ओर से 27 अप्रैल को अम्बामाता स्थित राजकीय प्रज्ञाचक्षु उच्च माध्यमिक आवासीय विद्यालय के विद्यार्थियों को क्रिकेट बेट व बॉल उपहार स्वरूप भेंट की गई। संस्थान अध्यक्ष प्रशान्त अग्रवाल ने बच्चों से उनके शिक्षण, खेलों में रूचि और समाज से अपेक्षाओं को लेकर बातचीत भी की। प्राचार्य नीलम माहेश्वरी ने संस्थान के प्रति धन्यवाद ज्ञापन किया। 51 बच्चों को उनके आयुवर्ग के अनुरूप क्रिकेट बेट दिए गए। बॉल विशेष रूप से प्रज्ञाचक्षु खिलाड़ियों के लिए ही थी, जिसमें बॉल वियरिंग होते हैं और विकेट पर फेंके जाने के दौरान उसमें से ध्वनि निकलती है, प्रज्ञाचक्षु खिलाड़ी उसी ध्वनि को लक्ष्य कर उसे बेट से खेलता है। इस दौरान संस्थान के जनसम्पर्क अधिकारी विष्णु शर्मा हितैषी, भगवान प्रसाद गौड़ तथा शिक्षक रमिला पगारिया, फारूक खान मौजूद रहे।

गरीब परिवारों को राशन वितरण

संस्थान के मानव मंदिर परिसर में 6 मई को पूर्व पंजीकृत विधवा, आदिवासी, मजदूर, बेरोजगार एवं गरीब परिवारों को मई माह का मासिक राशन वितरण किया गया। निदेशक वंदना अग्रवाल की टीम ने एक माह की खाद्य सामग्री के 91 किट इन परिवारों को प्रदान किये। लाभान्वित होने वाले अधिकतर वे परिवार थे जो कोरोना काल से अब तक बेरोजगार हैं।

कथा ज्ञान यज्ञ

श्रद्धालुओं ने किया भक्ति का रसपान

अध्यात्मिक ज्ञान के प्रसार हेतु अप्रैल-मई में मुरैना, कैलारस-मुरैना एवं वृंदावन में श्रीमद् भागवत कथाओं का पारायण संस्थान के तत्वावधान में सम्पन्न हुआ। जिनका विभिन्न मीडिया चैनलों से प्रसारण हुआ। जिससे घर बैठे लाखों श्रद्धालुओं ने भक्ति रस का पान किया।

॥ मुरैना ›› दूर वार परिवार कोलुआ के सहयोग से मुरैना (मध्य प्रदेश) में 27 अप्रैल से 3 मई तक दोपहर 1 से अपराह्न 4 बजे तक श्रीमद् भागवत कथा पारायण का भव्य आयोजन धिरौना सरकार के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। कथा व्यास पूज्य श्री रमाकान्त जी महाराज ने कहा कि भगदवत्काओं की बात ही निराली है। बड़े-बड़े साधु-संत, सिद्ध योगीन्द्र मुनीन्द्र भी उन्हें सुनने को तत्पर रहते हैं और उनके लिए समाधिसुख को भी उत्सर्ग करने को तैयार रहते हैं। सातों दिन कथा का सत्संग चैनल से देशभर में प्रसारण हुआ, जिससे श्रद्धालुओं ने घर बैठे ही भक्तिगंगा में डुबकी लगाकर अपने को धन्य किया।

॥ वृंदावन ›› राधा गोविन्द मन्दिर, श्री बृजसेवा धाम, वृंदावन-मथुरा में 10 से 16 मई तक कथा व्यास पूज्य श्री बृजनन्दन जी महाराज के श्रीमुख से पतित पावनी श्रीमद् भागवत कथा का पारायण सानन्द सम्पन्न हुआ। जिसका आस्था चैनल से प्रसारण भी हुआ। कथा व्यास पूज्य महाराजश्री ने भगवान के विविध लीला प्रसंगों का मार्मिक वर्णन करते हुए कहा कि महान पुरूषों और शास्त्रों के वचनों में विश्वास करके हमें अपने जीवन को सार्थक करना चाहिए। मनुष्य को काम, भय, लोभ, मोह के वश होकर या किसी अन्य दुर्गुण के प्रभाव में एक क्षण भी व्यर्थ नही कर मानव देह को धारण करने का अर्थ समझते हुए उसे धन्य करने के कार्य करने चाहिए। इससे परमात्मा भी प्रसन्न होंगे।

॥ कैलारस ›› मां बहरारा माता मन्दिर, कैलारस-मुरैना (मध्य प्रदेश) में 14 से 20 मई तक श्रीमद् भागवत का आयोजन सानन्द सम्पन्न हुआ। श्री विश्वंभर दयाल जी परिवार के सौजन्य से आयोजित इस भक्ति ज्ञान यज्ञ में दूर दराज के सैकंड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया। व्यास पीठ पर बिराजित पूज्य श्री रमाकान्त जी महाराज ने कहा कि परमात्मा नित्य है। उसका संयोग भी नित्य है। विश्वास और श्रद्धा के अभाव में ही हम उसे भूले हुए हैं। यही वजह है कि जीवन में पग-पग पर हमें ठोकर खानी पड़ती है। हमें आज और अभी से उसकी शरण लेनी चाहिए जो नित्य सत्य है। कथा का संस्कार चैनल से सातों दिन देशभर में सीधा प्रसारण हुआ।

अनुभव

दान ने बचाई जान

नारायण सेवा संस्थान के देश-विदेश में सेवा कार्यों से प्रभावित होकर मैं भी इसके साथ जुड़ा। शिक्षा विभाग में शिक्षक रहते दिव्यांग व दुःखीजन की सेवा के लिए अपनी सामर्थ्यानुसार आर्थिक सहयोग भेजता रहा। संस्थान का एक दान पात्र भी मैंने यहां एक सोसायटी में रखवाया, जिससे एकत्रित राशि भी संस्थान के माध्यम से सेवा कार्यों में लग रही है। एक बार बचन सिंह जी के साथ पर्यटन की दृष्टि से उदयपुर जाना भी हुआ। संयोगवंश वह दुर्गाष्टमी का दिन था और संस्थान में कन्या पूजन का भव्य आयोजन था। शताधिक दिव्यांग कन्याओं के निःशुल्क ऑपरेशन के बाद उनका माता स्वरूप पूजन देख हम संस्थान के सेवा-समर्पण के आगे नतमस्तक थे।

इसके बाद संस्थान में आर्थिक सहयोग का क्रम नियमित बन गया। सेवा-भावना से दिए गए दान का महत्व भी उस दिन समझ में आया जब एक सड़क दुर्घटना में मैं और मेरे मित्र बाल-बाल बंच गए। स्कूटर पर बाजार में थे कि पीछे से तेजगति कार ने स्कूटर को टक्कर मार दी। स्कूटर और हम करीब 10 मीटर दूर जाकर गिरे। स्कूटर को काफी क्षति हुई। लेकिन मैं और पीछे बैठा बंदा साफ बच गए। वास्तव में सच्चे मन से दिए गए दान में बड़ी शक्ति है।

अमर सिंह डोगरा, शमीरपुर (हिमाचल प्रदेश)

पुण्य की जड़ पाताल में

पुण्य पाने का एक और पथ अपने
» घर » दुकान
» प्रतिष्ठा पर कराएं
संस्थान के सेवा प्रकल्पों की ब्रांडिंग

अधिक जानकारी के लिए कॉल करें
फोन नं. : +91-294-6622222
वाट्सअप : +91-7023509999

सेवायात्रा

झीनी-झीनी रोशनी (37)

नारायण सेवा संस्थान के संस्थापक - चेयरमैन पूज्य गुरूदेव श्री कैलाश जी 'मानव' का सेवा संस्कारों से पोषित जीवन समाज के लिए अनुकरणीय है। श्री कैलाश जी के निकट रहे वरिष्ठ पत्रकार श्री सुरेश गोयल ने उनके जीवन-वृत को 'झीनी-झीनी रोशनी' पुस्तक में प्रस्तुत किया है।

पोस्ट ओफिस सामने ही था, सभी लोग भंवर सिंह के बारे में जानने को आतुर थे। कैलाश ने विस्तार से उन्हें सारी बात बताई, अहमदाबाद के सेठ और उसके जमाईयों का किस्सा भी बताया वो सब उन्हें धिक्कारने लगे। इसी बीच कैलाश के एक साथी ने पूछ लिया कि खून नहीं मिलेगा तो उस सेठ का क्या होगा। यह प्रश्न सुनते ही कैलाश को अपनी गलती का अहसास होने लगा, वह अपने आपको कोसने लगा कि क्यूं नहीं उसने उन जमाईयों पर खून देने के लिए दबाव डाला। यह विचार मन में आते ही वह अपनी कुर्सी से उठा और अपने साथी को कोई जवाब दिये बिना अस्पताल की तरफ बढ़ गया।

अस्पताल के बाहर ही जमाईयों की कार निकलती हुई नजर आ गई। दोनों अपनी पत्नियों के साथ वापस निकल रहे थे। कैलाश ने इन्हें रोका और पूछा कि खून दे दिया क्या। दोनों ने इंकार कर दिया तो कैलाश को गुस्सा आ गया और बोल पड़ा कि अपने पिता को मरते हुए छोड़ जा रहे हो। कैलाश की बात सुनकर सब हक्के-बक्के रह गये। एक जमाई ने कहा कि नहीं ऐसी बात नहीं है, हमने डॉक्टर को कह दिया है कि वह खून खरीद ले और पिताजी के चढ़ा दें। यह सुनकर कैलाश का क्रोध और बढ़ गया, उसने कहा-यहां पैसों से खून देने वाला कोई नहीं, वैसे भी तुम लोगों की रगों में भी खून कहां है, खून की जगह तो गंदी नाली का पानी भरा हुआ है, ऐसा खून चढ़ाते तो भी वो मरते इससे अच्छा तो यह है कि बिना खून के ही मर जायें।

कैलाश की बात सुनकर सभी को अपनी गलती का एहसास हुआ। अब वे शर्मिंदा होकर कहने लगे कि हमें खून देते हुए डर लगता है इसी कारण हम मना कर रहे हैं, आप कोशिश करके कहीं से भी खून जुटा लें। अब तक तो अहंकार से अपने पैसों का मद बता रहे थे, वहीं अब घिघियाते-मिमियाते हुए विनती करने लगे तो कैलाश को लगा कि तीर निशाने पर बैठा है।

क्रमशः

संस्थान के दानवीर भामाशाहों का हार्दिक आभार

श्री तुलसी दास कंकर
श्रीमती देवी बाई कंकर
गुरूग्राम (हरियाणा)

श्रीमती कैलाश बेन
श्री रमेश भाई पटेल
सिटी लाइट (सूरत)

डॉ. रामचन्द्र एवं
श्रीमती मनोरमा माहेश्वरी
इन्दौर (म.प्र.)

श्री महावीर प्रसाद एवं
श्रीमती मूर्ति देवी
पानीपत (हरियाणा)

श्री हुकम सिंह गुसाई एवं
श्रीमती लक्ष्मी देवी, देहरादून
(उत्तराखण्ड)

स्व. श्रीमती पाली
बेन पटेल, भारूण्डी
सूरत (गुजरात)

स्व. ठाकुर
ओंकार सिंह
लुधियाना (पंजाब)

स्व. श्रीमती सोम
प्रभा शर्मा, मुरादाबाद
(उ.प्र.)

शाखाध्यक्ष श्री दिलीप
वर्मा एवं श्रीमती जानकी
देवी मथुरा (उ.प्र.) को
54वीं विवाह वर्षगांठ पर
संस्थान परिवार की ओर
से हार्दिक बधाई।

श्री कृष्ण गोपाल अग्रवाल
श्रीमती लक्ष्मी देवी अग्रवाल
मथुरा (उत्तर प्रदेश)

स्व. पुष्पा बेन
लक्ष्मी दासअसार
मुम्बई

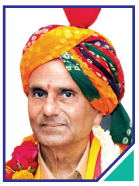

संस्थान के परम
संरक्षक श्री रमेश
भाई चावड़ा,यूके

शाखा प्रेरणा स्त्रोत माह अप्रैल, 2022

शाखा संयोजक
श्रीमती अलका
चौधरी, हैदराबाद
(तेलंगाना)

सेवा प्रेरक
श्री सुरेन्द्र प्रसाद गर्ग
गुरूग्राम (हरियाणा)

सेवा प्रचारक
श्री आदाराम धूलाजी
भाटी, सिरोही (राज.)

विकास अग्रवाल के जन्मदिन के उपलक्ष्य में उनकी माताजी श्री अंजला जी अग्रवाल (यू.के.) के परिवार की ओर से संस्थान के सभी बच्चों को भोजन कराया गया। संस्थान परिवार की ओर से आभार !

विनम्र श्रद्धांजलि

संस्थान के शाखा सेवा प्रचारक कलाम्ब, जिला-उस्मानाबाद निवासी श्रीमान सखाराम के. कानेटकर जी का आकस्मिक निधन हो गया। उन्होंने लम्बे समय तक दिव्यांगों के लिए सेवाएं दी। उनके सेवाकार्य सदैव स्मरणीय रहेंगे। संस्थान के संस्थापक पूज्य कैलाश जी 'मानव' ने आदरणीय सखाराम के. कानेटकर जी को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि ईश्वर स्वर्गस्थ आत्मा को अपने चरणों में स्थान देवें एवं परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

संस्थान के दानदाता मथुरा निवासी पंडित श्रीमान रमेश दत्त जी शर्मा का हृदयाघात होने से आकस्मिक निधन दिनांक 25 अप्रेल-2022 को हो गया। वे 84वर्ष के थे। वे संस्थान के सम्मानित दानदाता थे उनके सेवाकार्य सदैव स्मरणीय रहेंगे। संस्थान के संस्थापक पूज्य कैलाश जी 'मानव' ने आदरणीय पंडित रमेश दत्त जी शर्मा को श्रद्धा सुमन अर्पित किए। ईश्वर स्वर्गस्थ आत्मा को अपने चरणों में स्थान देवें एवं परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

संस्थान के बड़े दानदाता मथुरा निवासी श्रीमान कृष्ण गोपाल अग्रवाल एवं श्रीमती लक्ष्मी अग्रवाल जी की प्रिय पुत्री श्रीमती रितु अग्रवाल जी का आकस्मिक निधन दिनांक 25 अप्रेल-2022 को हो गया। वे संस्थान की सम्मानित दानदाता थी। संस्थान संस्थापक पूज्य कैलाश जी 'मानव' ने रितु जी को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि ईश्वर उनकी आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान देवें एवं परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

संस्थान के दानदाता मुलुन्ड, मुम्बई निवासी श्री किशोर छोटा लाल सहिता की माता जी श्रीमती कस्तूरी बेन का निधन 29 अप्रैल 2022 को हो गया, वे 98 वर्ष की थी। उनके बेटे श्री किशोर छोटा लाल सहिता द्वारा 13 दिव्यांग बच्चों के ऑपरेशन हेतु संस्थान को सहयोग किया गया। जिसके लिए संस्थान परिवार आभार व्यक्त करता है। संस्थान के संस्थापक पूज्य कैलाश जी 'मानव' ने श्रीमती कस्तूरी बेन को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि ईश्वर स्वर्गस्थ आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान देवें एवं परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

अंतहीन संभावनाएं - दिव्यांगता राहत के विभिन्न आयाम

चिकित्सा

- निदान (एक्स रे, ओपीडी, लैब)
- उपचार (कृत्रिम अंग और कैलिपर्स)
- पोस्ट ऑपरेटिव केयर (वार्ड, आईसीयू)
- चिकित्सा सहायता (फार्मेसी एवं फिजियोथेरेपी)

स्वावलम्बन

- हस्तकला और शिल्पकला
- सिलाई प्रशिक्षण
- डिजिटल (कंप्यूटर) प्रशिक्षण
- मोबाइल फोन रिपेयर प्रशिक्षण
- नारायण चिल्ड्रन एकेडमी (निःशुल्क डिजिटल स्कूल)

- 450 बेड का निःशुल्क सेवा हॉस्पीटल
- 7 मंजिला अतिआधुनिक सर्वसुविधायुक्त
- निःशुल्क ओपीडी,जांच एवं शल्य चिकित्सा
- निःशुल्क कृत्रिम अंग निर्माण कार्यशाला

कृपया 1 लाख रू. का सहयोग देकर अपने परिजनों का नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित कराएं

सशक्तिकरण

- दिव्यांग विवाह समारोह
- दिव्यांग हीरोज
- दिव्यांग खेल अकादमी
- दिव्यांग संगोष्ठी - सेमिनार
- इंटर्नशिप वॉलंटियर

सामुदायिक सेवाएं

- आदिवासी और ग्रामीण शिक्षा
- वस्त्र वितरण
- दृश्य एवं श्रवण बाधित के लिए आवासीय विद्यालय
- भोजन सेवा
- राशन वितरण
- वस्त्र और कंबल वितरण
- दवा वितरण

- प्रज्ञाचक्षु , विमंदित, मूकबधिर, अनाथ एवं निर्धन बच्चों का निःशुल्क आवासीय विद्यालय
- व्यावसायिक प्रशिक्षण • बस स्टेण्ड से मात्र 700 मीटर दूर • रेल्वे स्टेशन से 1500 मीटर दूर

भारत में संचालित संस्थान शाखाएं

राजस्थान

पाली
श्री कान्तिलाल मूथा,07014349307
31, गुलजार चौक, पाली मारवाड़

.....

श्री मनोज कुमार मेहता,
मो.-09468901402
मकान नं. 5डी-64, हाउसिंग बोर्ड जोधपुर रोड के पास, पानी की टंकी, पाली

भीलवाड़ा
श्री शिव नारायण अग्रवाल
09829769960 C/o नीलकण्ठ पेपर स्टोर, L.N.T. रोड़, भीलवाड़ा-311001

बहरोड़
डॉ. अरविन्द गोस्वामी,09887488363
'गोस्वामी सदन' पुराने हॉस्पीटल के सामने बहरोड़, अलवर (राज.)
श्री भुवनेश रोहिल्ला,मो. 8952859514,
लेडिज फैशन पोईन्ट, न्यू बस स्टैण्ड के सामने यादव धर्मशाला के पास, बहरोड़, अलवर

अलवर
श्री आर.एस. वर्मा, 07300227428
के.वी. पब्लिक स्कूल,
35 लादिया,बाग अलवर

जयपुर
श्री नन्द किशोर बत्रा,09828242497
5-C, उन्नति एन्क्लेव, शिवपुरी, कालवाड़ रोड़,झोटवाड़ा, जयपुर 302012

अजमेर
श्री सत्य नारायण कुमावत,09166190962
कुमावत कॉलोनी, आर्य समाज के पीछे, मदनगंज,किशनगढ़, अजमेर

बूंदी
श्री गिरिधर गोपाल गुप्ता,09829960811,
ए.14, 'गिरधर-धाम', न्यू मानसरोवर कॉलोनी, चित्तौड़ रोड़, बून्दी

झारखण्ड

हजारीबाग
श्री डूंगरमल जैन,मो.-09113733141
C/o पारस फूड्स, अखण्ड ज्योति ज्ञान केन्द्र, मेन रोड़ सदर थाना गली, हजारीबाग

.....

श्री भगवानदास गुप्ता-09234894171
07677373093 गांव-नापो खुर्द,पो.-गोसाई बलिया,जिला-हजारीबाग

रामगढ़
श्री जोगिन्दर सिंह जग्गी,मो. 7992262641
44ए, छोटकी मुरीम, नजदीक उमा इन्सीट्यूट राजीव सिनेमा रोड़, बिजुलिया, रामगढ़

धनबाद
श्री गोपाल कुमार,
9430348333, आजाद नगर, भूलीनगर

गुजरात

अहमदाबाद
श्री योगेन्द्र प्रताप राघव,मो. 09274595349
म.नं.: बी-77, गोल्डन बंगलो, नाना चिलोड़ा, अहमदाबाद

मध्य प्रदेश

उज्जैन
श्री गुलाब सिंह चौहान
मो. 09981738805, गाँव एवं पो. इन्गोरिया, उज्जैन 456222

रतलाम
श्री चन्द्र पाल गुप्ता
मो. 9752492233,मकान नं. 344, काटजूनगर, रतलाम

जबलपुर
श्री आर. के. तिवारी,मो. 9826648133
मकान नं. 133, गली नं. 2, समदड़िया ग्रीन सिटी,माढ़ोताल, जिला - जबलपुर

मन्दसौर
श्री मनोहर सिंह देवड़ा
मो. 9753810864,म.नं. 153, वार्ड नं. 6, ग्राम-गुराड़िया,पोस्ट-गुराड़ियादेदा, जिला - मन्दसौर

भोपाल
श्री विष्णु शरण सक्सेना
मो. 09425050136, ए-3/302, विष्णु हाईटेक सिटी, अहमदपुर रेल्वे क्रोसिंग के सामने, बावड़िया कलाँ, होशंगाबाद रोड़ जिला - भोपाल

बखतगढ़
श्री सुरेन्द्र सिंह सोलंकी,08989609714,
बखतगढ, त.-बदनावर,जि.-धार

हरियाणा

कैथल
डॉ. विवेक गर्ग,मो. 9996990807,गर्ग मनोरोग एवं दांतो का हस्पताल के अन्दर पद्मा मॉल के सामने करनाल रोड़, कैथल

.....

श्री सतपाल मंगला
मो. 09812003662-3
68-ए, नई अनाज मंडी, कैथल

सिरसा
श्री सतीश मेहता मो. 9728300055
म.न.-705, से.-20,पार्ट-द्वितीय,सिरसा

जुलाना मण्डी
श्री मनोज जिन्दल मो. 9813707878,108 अनाज मण्डी, जुलाना,जींद

पलवल
श्री वीर सिंह चौहान मो.9991500251
विला नं. 228, ओमेक्स सिटी, सेक्टर-14, पलवल

फरीदाबाद
श्री नवल किशोर गुप्ता
मो. 09873722657, कश्मीर स्टेशनरी स्टोर, दुकान नं. 1डी/12, एन.आई.टी., फरीदाबाद, हरियाणा

करनाल
श्री सतीश शर्मा,मो. 09416121278
म.नं. 886, सेक्टर-7, अरबन एस्टेट करनाल

अम्बाला
श्री मुकुट बिहारी कपूर,मो. 08929930548
मकान नं.- 3791, ओल्ड सब्जी मण्डी, अम्बाला केन्ट-133001

नरवाना
श्री राजेन्द्र पाल गर्ग
मो. 09728941014
165-हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, नरवाना, जीन्द

गोवा

गोवा
श्री अमृत लाल दोषी,मो. 07798917888
'दोषी निवास' जैन मन्दिर के पास, पजीफोन्ड, मडगांव गोवा-403601

महाराष्ट्र

आकोला
श्री हरिश जी, मो.नं. - 9422939767
आकोट मोटर स्टेण्ड, आकोला

परभणी
श्रीमती मंजु दरड़ा-मो. 09422876343

नांदेड़
श्री विनोद लिंबा राठोड,07719966739
जय भवानी पेट्रोलियम,मु. पो. सारखानी, किनवट, जिला - नांदेड़

पाचोरा
श्री सीताराम जी-मो. 9422775375

मुम्बई
श्रीमती रानी दुलानी,न.-028847991
9029643708,10-बी/बी, वाईसराय पार्क,ठाकुर विलेज कान्दीवली,मुम्बई

.....

श्री प्रेम सागर गुप्ता ,मो. 9323101733
सी-5, राजविला, बी.पी.एस. 2 क्रोस रोड़,वेस्ट मुलुंड, मुम्बई

भायंदर
श्री कमलचंद लोढा, मो. 8080083655
ए/103, 'देव आंगन' जैन मन्दिर रोड़ बावन जिनालय मन्दिर के पास, भायंदर (पश्चिम) ठाणे-401101

बोरीवली
श्री प्रवीण भाई गिरधर भाई परमार
मो. 9869534173
फ्लेट नं. 708, क्वार्टर रोड नं. 5
श्री अम्बे सोसायटी, रायडूंगरी, बी-विंग बोरीवली (ई.) 400066

हिमाचल प्रदेश

हमीरपुर
श्री ज्ञानचन्द शर्मा,मो. 09418419030
गाँव व पोस्ट - बिघरी, त. बदसर जिला हमीरपुर - 176040

.....

श्री रसील सिंह मनकोटिया
मो. 09418061161, जामलीधाम, पोस्ट-रोपा, जिला-हमीरपुर-177001

उत्तर प्रदेश

मथुरा
श्री दिलीप वर्मा,मो. 08899366480
1, द्वारिकापुरी,कंकाली, मथुरा

बरेली
श्री कुंवरपाल सिंह पुंढीर
मो. 9458681074,विकास पब्लिक स्कूल के पीछे, स्वरूप नगर (चहवाई) जिला-बरेली

.....

श्री विजय नारायण शुक्ला
मो. 7060909449,मकान नं.22/10, सी.बी.गंज, लेबर इण्डस्टीयल कॉलोनी बरेली

भदोही
श्री अनूप कुमार बरनवाल,
मो.7668765141,शिव मन्दिर के पास, मैन मार्केट, खमरिया, जिला भदोही, 221306

हाथरस
श्री दास बृजेन्द्र,मो.-09720890047
दीनकुटी सत्संग भवन,सादाबाद

हापुड़
श्री मनोज कंसल मो.-09927001112,
डिलाइट टैन्ट हाऊस,कबाड़ी बाजार,हापुड़

छत्तीसगढ़

दीपका, कोरबा
श्री सूरजमल अग्रवाल,मो. 09425536801

.....

श्री देवनाथ साहू,मो. 09229429407
गांव- बेला कछार, मु.पो. बालको नगर, जिला-कोरबा

बिलासपुर
डॉ. योगेश गुप्ता,मो.-09827954009
श्रीमन्दिर के पास, रिंग रोड़ नं. 2, शान्ति नगर, बिलासपुर

बालोद
श्री बाबूलाल संजयकुमार जैन
मो. 9425525000,रामदेव चौक बालोद, जिला-बालोद

जम्मू/कश्मीर

जम्मू
श्री जगदीश राज गुप्ता,मो. 09419200395
गुरू आशीर्वाद कुटीर, 52-सी अपर शिव शक्ति नगर जम्मु-180001

डोडा
श्री विक्रम सिंह व नीलम जी कोतवाल
मो. 09419175813, 08082024587
ग्वाड़ी, उदराना, त. भद्रवा, डोडा

दिल्ली

शाहदरा
श्री विशाल अरोड़ा-8447154011
श्रीमान रविशंकर जी अरोड़ा-9810774473
मैसर्स शालीमार ड्राइक्लीनर्स
IV/1461 गली नं. 2 शालीमार पार्क, D.C.B. ऑफिस के पास,शाहदरा

नारायण सेवा केन्द्र

महाराष्ट्र

मुम्बई
07073452174, 09529920088
07073474438, मकान नं. 06/103, ग्राउण्ड फ्लोर, ओम मणिकांत सी.एच.एस., लिमिटेड शास्त्री नगर, रोड-1, गोरेगांव पश्चिम मुम्बई-400104

नागपुर
08306004806, प्लॉट नंबर 37, गोरले ले आउट,गोपाल नगर, दूसरा बस स्टॉप,नागपुर,महाराष्ट्र 440022

पूणे
09529920093
17/153 मेन रोड, गणेश सुपर मार्केट गोखले नगर, पूणे-16

दिल्ली

रोहिणी
08588835718, 08588835719
नारायण सेवा संस्थान,बी-4/232 ,शिव शक्ति मंदिर के पास,सेक्टर-8, रोहिणी, दिल्ली -110085

जनकपुरी, नई दिल्ली
07023101156, 7023101167
सी1/212, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

बिहार

पटना
मकान नं.-23, किताब भवन रोड नॉर्थ एस.के. पुरी, पटना-13

हरियाणा

चण्डीगढ़
070734 52176
म.नं.-3658,सेक्टर-46/सी,चण्डीगढ़

गुरूग्राम
08306004802, हाउस नं.-1936 जीए,गली नं.-10,राजीव नगर ईस्ट, माता रोड़, सी.आर.पी.एफ. केम्प चौक,गुरुग्राम -122001

हिसार
07023003320,मकान न. 2249, सेक्टर-14,हिसार 125005

करनाल
मो.: 8306004815, मकान न. 415, सेक्टर-6, करनाल 132001

(कर्नाटक)

बेंगलुरू
09341200200,नारायण सेवा संस्थान 40 (12) प्रथम फ्लोर, मॉडल हाउस कॉलोनी, अपोजिट समना पार्क, एनआर कॉलोनी, बसवानगुड़ी, बेंगलुरु-560004

पंजाब

लुधियाना
07023101153
50/30-ए, राम गली, नौरीमल बाग भारत नगर, लुधियाना (पंजाब)

उत्तर प्रदेश

प्रयागराज
09351230393, म.न . 78/बी, मोहत सिंह गंज, प्रयागराज -211003

मेरठ
08306004811, 38, श्री राम पैलेस, दिल्ली रोड,नियर सब्जी मंडी, माधव पुरम,मेरठ 250002

लखनऊ
. 09351230395
551/च/157 नियर केला गोदाम, डॉ. निगम के पास, जय प्रकाश नगर आलम बाग, लखनऊ

मध्य प्रदेश

ग्वालियर
07412060406, 41 ए ,न्यू शांति नगर, त्रिवेदी नर्सिंग होम के पीछे,नई सडक, लश्कर,ग्वालियर 474001

भोपाल
095299 20089
ए -846, न्यू अशोका गार्डन, दिगम्बर जैन मंदिर के पास, रायसन रोड, भोपाल - 462023

वेस्ट बंगाल

कोलकाता
09529920097,
म.न.-पी226, ए ब्लॉक, ग्राउण्ड फ्लोर, लेक टाऊन कोलकाता-700089

गुजरात

सूरत
09529920082,
27, सम्राट टाऊनशिप,सम्राट स्कूल के पास, परवत पाटीया, सूरत

वडोदरा
मो.: 9529920081 म. नं.: 1298, वैकुंठ समाज, श्री अम्बे स्कूल के पास, वाघोड़िया रोड, वडोदरा -390019

राजस्थान

जोधपुर
08306004821
मेडती गेट के अंदर,कुचामन हवेली के पास,जोधपुर,राज.-342001

कोटा
07023101172
नारायण सेवा संस्थान, 209ए, तलवंडी कोटा (राज.) 324005

जयपुर
08696002432, बी-16 गोविन्ददेव कॉलोनी, चौगान स्टेडियम के पीछे, गणगौरी बाजार,जयपुर

नाथद्वारा
मो.: 8306004832
मकान नं. 850, वंदना सिनेमा के पीछे श्रीजी कॉलोनी, नाथद्वारा बस स्टेण्ड के पास, नाथद्वारा, राजसमंद-313301

नारायण नि:शुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर

दिल्ली

फतेहपुरी
09999175555
07073452155
6473 कटरा बरियान, अम्बर होटल के पास, फतेहपुरी,दिल्ली-6

शाहदरा
बी-85, ज्योति कॉलोनी, दुर्गापुरी चौक,शाहदरा, दिल्ली-32

उत्तर प्रदेश

हाथरस
09453045748, 07023101169
एलआईसी बिल्डिंग के नीचे, अलीगढ़ रोड, हाथरस

मथुरा
07023101163, नारायण सेवा संस्थान 68-डी, राधिका धाम के पास, कृष्णा नगर, मथुरा 281004

अलीगढ़
07023101169,एम.आई.जी. -48 विकास नगर, आगरा रोड़,अलीगढ़

मोदीनगर
आर्य समाज मंदिर, सीकरी पेट्रोल पम्प के पास, मोदी बाग के सामने मोदीनगर -201204

बरेली
मो.:8306004804, बी-17, राजेन्द्र नगर, जिंगल बेल्स स्कूल के पास, बरेली

लोनी
09529920084, दानदाता : डॉ. जे.पी. शर्मा, 9818572693 श्रीमती कृष्णा मेमोरियल नि:शुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर, 72 शिव विहार, लोनी बम्थला, चिरोड़ी रोड (मोक्षधाम मन्दिर) के पास लोनी, गाजियाबाद

गाजियाबाद
(1) 07073474435,8588835716 184, सेठ गोपीमल धर्मशाला केलावालान, दिल्ली गेट गाजियाबाद

(2) 07073474435,8588835716 श्रीमती शीला जैन नि:शुल्क फिजियोथेरपी सेंटर,बी.-350 न्यू पंचवटी कॉलोनी, गाजियाबाद -201009

आगरा
07023101174
मकान नंबर 8/153 ई -3 न्यू लॉयर्स कॉलोनी,नियर पानी की टंकी के पीछे, आगरा -282003 (उ.प्र.)

राजस्थान

जयपुर
09928027946, बद्रीनारायण वैद फिजियोथेरेपी हॉस्पीटल एण्ड रिचर्स सेन्टर बी-50-51 सनराईज सिटी,मोक्ष मार्ग, निवारू झोटवाड़ा,जयपुर

गुजरात

अहमदाबाद
9529920080,ओ.बी. 3/27 गुजरात हाउसिंग बोर्ड खोडियार मंदिर, 4 रास्ता लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम रोड, बापूनगर, अहमदाबाद-24

राजकोट
09529920083, भगत सिंह गार्डन के सामने आकाशवाणी चौक, शिवशक्ति कॉलोनी, ब्लॉक नं. 15/2 युनिवर्सिटी रोड,राजकोट

तेलंगाना

हैदराबाद
09573938038,लीलावती भवन, 4-7-122/123 इसामिया बाजार, कोठी , संतोषी माता मंदिर के पास,हैदराबाद -500027

उत्तराखण्ड

देहरादून
07023101175, साई लोक कॉलोनी, गांव कार्बरी ग्रांट,शिमला बाय पास रोड, देहरादून 248007

महाराष्ट्र

मुम्बई
09529920090,ओसवाल बगीची, आरएनटी पार्क,भायन्दर ईस्ट मुम्बई - 401105

मध्य प्रदेश

रतलाम
दत्ता कृपा महात्मा गांधी मार्ग, गली नम्बर-2 एचडीएफसी बैंक के पीछे, स्टेशन रोड, रतलाम - 457001 (म.प्र.)

इन्दौर
09529920087
12, चन्द्रलोक कॉलोनी खजराना रोड, इंदौर-452018

छत्तीसगढ़

रायपुर
07869916950,मीरा जी राव, म.नं.-29/500 टीवी टावर रोड, गली नं.-2, फेस-2 श्रीरामनगर,पो.-शंकरनगर,रायपुर,छ.ग.

हरियाणा

अम्बाला
07023101160,सविता शर्मा, 669, हाऊसिंग बोर्ड कोलोनी अरबन स्टेट के पास, सेक्टर-7 अम्बाला

कैथल
09812003662,ग्राउंड फ्लोर, गर्ग मनोरोग एवं दांतों का हॉस्पिटल, नियर पदमा सिटी माल, करनाल रोड, कैथल

दिव्यांग, अनाथ, असहाय एवं वंचितजन की सेवा में सतत सक्रिय संस्थान के विभिन्न सेवा प्रकल्पों में करें सहयोग

कृपया अपने परिजनों या स्वयं के जन्मदिन, शादी की वर्षगांठ एवं पुण्यतिथि को बनायें यादगार..

जन्मजात पोलियोग्रस्त दिव्यांगों के ऑपरेशनार्थ सहयोग राशि

ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि	ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि
501 ऑपरेशन के लिए	17,00,000	40 ऑपरेशन के लिए	1,51,000
401 ऑपरेशन के लिए	14,01,000	13 ऑपरेशन के लिए	52,500
301 ऑपरेशन के लिए	10,51,000	5 ऑपरेशन के लिए	21,000
201 ऑपरेशन के लिए	07,11,000	3 ऑपरेशन के लिए	13,000
101 ऑपरेशन के लिए	03,61,000	1 ऑपरेशन के लिए	5000

निर्धन एवं दिव्यांगों को खिलाएं निवाला

आजीवन भोजन/नाश्ता सहयोग मिति (हर वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग, निर्धन एवं अनाथ बच्चों के लिए भोजन/नाश्ता सहयोग हेतु मदद करें)	
नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि	37000/-
दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि	30000/-
एक समय के भोजन की सहयोग राशि	15000/-
नाश्ता सहयोग राशि	7000/-

दुखियों के चेहरों पर लाएं खुशियां

दुर्घटनाग्रस्त एवं जन्मजात दिव्यांगों को दें कृत्रिम हाथ-पैर और सहायक उपकरणों का उपहार				
वस्तु	सहयोग राशि (एक नग)	सहयोग राशि (तीन नग)	सहयोग राशि (पाँच नग)	सहयोग राशि (ग्यारह नग)
तिपहिया साईकिल	5000	15,000	25,000	55,000
व्हील चेयर	4000	12,000	20,000	44,000
कैलिपर	2000	6,000	10,000	22,000
वैशाखी	500	1,500	2,500	5,500
कृत्रिम हाथ/पैर	10000	30,000	50,000	1,10000

गरीब दिव्यांगों को बनाएं आत्मनिर्भर

मोबाइल /कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रशिक्षण सौजन्य राशि	
1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 7,500	3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -22,500
5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 37,500	10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -75,000
20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि- 1,50,000	30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि -2,25,000

शिक्षा से वंचित आदिवासी क्षेत्र के बच्चों को शिक्षित करने में करें मदद	
एक बालक का 1 माह का शिक्षा सहयोग	11,00/-
एक बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	11,000/-
एक बालक का आजीवन पालनहार सहयोग (6 से 18 वर्ष)	1,00,000/-

अपने बैंक खाते से संस्थान के बैंक खाते में जमा करें- अपना दान

आप अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के नाम से संस्थान के बैंक खातों में सीधे भी जमा करवाकर PAY IN SLIP भेजकर सूचित कर सकते हैं, जिससे दान प्राप्ति रसीद आपको भेजी जा सके।

संस्थान पैन नम्बर AAATN4183F, टैन नम्बर JDHN01027F

STATE BANK OF INDIA	-H.M.Sector-4	SBIN0011406	31505501196
ICICI Bank	-Madhuban	ICIC0000045	004501000829
PUNJAB NATIONAL BANK	-KalajiGoraji	PUNB0297300	2973000100029801
UNION BANK OF INDIA	-UdaipurMain	UBIN0531014	310102050000148

संस्थान को दिया गया दान-सहयोग आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत 50 प्रतिशत नियमानुसार कर में छूट के योग्य है।

UPI narayanseva@sbi

संस्थान को **paytm** एवं **UPI** के माध्यम से दान देने हेतु इस **QR Code** को स्केन करें अथवा अपने पेमेंट एप में **UPI Address** डालकर आसानी से सेवा भेजे।

अधिक जानकारी के लिए कॉल करें

फोन नं.: +91-294-6622222

वाट्सअप : +91-7023509999

आपके अपने संस्थान का पता

नारायण सेवा संस्थान - 'सेवाधाम', सेवानगर, हिरण मगरी, सेक्टर-4, उदयपुर-313002 (राजस्थान) भारत

सहमति-पत्र के साथ आप अपनी करुणा सेवा भिजवा सकते हैं

आदरणीय अध्यक्ष महोदय,

मैं (नाम) ▶.....सहयोग मद ▶ .....

उपलक्ष्य में/स्मृति में ▶.....

संस्थान द्वारा संचालित सेवा कार्यों में रुपये ▶.....का चेक नं./डी.डी. नं./एम.ओ./पे-इन स्लीप ..... दिनांक ▶.....से सहयोग भेजने की सहमति प्रदान करता हूँ/करती हूँ।

पूर्ण पता ▶.....

जिला .....पिन कोड .....राज्य .....

मो. नं. .....वाट्सअप नं. ..... ई-मेल .....

हस्ताक्षर

Seva Soubhagya 1 June, 2022 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2020-2022. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 32 (No. of copies printed 1,05,000) cost- Rs.5/-